# NCERT SOLUTIONS

## CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 3
Chapter Name : सवैया और कवित्त

Q1 कवि ने श्री 'श्रीबज्रदूलह' किसके लिए प्रयुक्त किया है और उन्हें ससांर रूपी मंदिर दीपक क्यों कहा है?
Answer.
कवि ने 'श्रीबज्रदूलह' श्री कृष्ण के लिए प्रयोग किया है। क्योंकि जैसे मंदिर का दीपक चारों ओर अपना उज्जवल प्रकाश फैला कर अंधेरे को दूर करता है वैसे ही श्री कृष्ण भी अपने उजाले से संसार रूपी मंदिर का अंधकार दूर कर देते हैं। उनकी सुंदरता की अनुपम छटा सारे संसार को मोहित कर देती है।

Page :- 23 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q2 पहले सवैये में से उन पंक्तियों को छाँटकर लिखिए जिनमें अनुप्रास और रूपक अलंकार का प्रयोग हुआ है।
Answer.
अनुप्रास अलंकार :- कटि किंकिनी कै धुनी की मधुराई।
सॉवरे अंग लसै पटपीत, सिरे हुलसे वनमाल बुहारी।
रूपक अलंकार :- मंद हंसी मुखचंद जुनहाई।
जै जंग-मंदिर-दीपक-सुंदर।

Page :- 23 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q3 निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए -
पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई।
साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।
Answer.
प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने श्री कृष्ण के मनोहारी सौंदर्य का चित्रण किया है। वह कहते हैं कि श्री कृष्ण के पैरों की पायल बहुत मधुर ध्वनि दे रही है और कमर में बंधी हुई कमरबन्द की आवाज भी बहुत सुंदर आ रही है। उनके सांवले रंग के अंगों पर पीले रंग के वस्त्र बहुत ही सुशोभित हो रहे हैं उनके हृदय पर वन के फूलों की माला अत्यंत सुंदर दिखाई दे रही है।
इन छंद में अलंकार का सुंदर प्रयोग किया गया है। ब्रज भाषा का सुंदर प्रयोग किया गया है। ब्रज भाषा के प्रयोग से छंद में मधुरता का रस मिलता है।

Page :- 23 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q4 दूसरे कवित्त के आधार पर स्पष्ट करें कि ऋतुराज वसंत के बाल-रूप का वर्णन परंपरागत वसंत वर्णन से किस प्रकार भिन्न है?
Answer.
इस कविता में वसंत को एक बालक के रूप में चित्रित किया गया है। एक छोटा सा बच्चा झूला झूलते हुए जैसे सुन्दर दिखाई देता है वैसे ही वसंत ऋतु में फूलों से लदी लताऐं जो पत्तों रूपी गहने पहने हुए है सुंदर दिखाई दे रही है। गुलाब चुटकी बजाकर राजा कामदेव रूपी ऋतुराज बसंत को (बालक) जगाता है। बसंत ऋतु का पूरा प्राकृतिक सौंदर्य, पक्षियों की चहचहाहट कि चित्रण मनोहारी है।

Page :- 23 , Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q5 'प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै' - इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
Answer.
इस पंक्ति का भाव यह है कि सुबह होने पर गुलाब चुटकी देकर बसंत रूपी बालक को जगा रहा है। बसंत ऋतु की हर सुबह मनमोहक होती है।

Page :- 23 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q6 चाँदनी रात की सुंदरता को कवि ने किन-किन रूपों में देखा है?
Answer.
चाँदनी रात की सुंदरता को कवि ने निम्नलिखित रूपों में देखा है :-
*स्फटिक शिला से बने मंदिर के रूप में
*आकाश रूपी आंगन में दूध का झाग फैल गया हो
*मोतियों की ज्योति
*राधा रानी कि छवि
*बेल की जाति के फूलों

aglasem.com

Page :- 23 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q7 'प्यारी राधिका को प्रतिबिंब सो लगत चंद' - इस पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए बताएँ कि इसमें कौन-सा अलंकार है?
Answer.
इस पंक्ति का भाव यह है कि पूर्णिमा की चांदनी रात में आकाश में चांद ऐसा दिखाई देता है जैसे रितिका का प्रतिबिंब हो।
यहां चांद के सौंदर्य की उपमा राधा के सौंदर्य से नहीं की गई है बल्कि चांद को राधा से हीन बताया गया है, इसलिए यहां व्यतिरेक अलंकार है।
Page :- 23 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q8 तीसरे कवित्त के आधार पर बताइए कि कवि ने चाँदनी रात की उज्ज्वलता का वर्णन करने के लिए किन-किन उपमानों का प्रयोग किया है?
Answer.
तीसरे कवित्त में कवि ने चांदनी रात का वर्णन करने के लिए विभिन्न उपमानों का प्रयोग किया है- दूध के समान उज्ज्वल चांदनी, दही के समुद्र, स्फटिक शीला से बने मंदिर, समुद्र की झाग, आदि।

Page :- 23 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q9 पठित कविताओं के आधार पर कवि देव की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।
Answer.
पठित पदों के आधार पर कवि देव की भाष बेहद मंजी हुई, कोमल है। वह माधुर्य गुण से ओत-प्रोत है। कवि ने नवीन उपमानो का प्रयोग किया है। प्रकृति चित्रण को विशेष महत्व दिया गया है। कवि ने अलंकारों का विशेष प्रयोग किया है। वसंत को बालक के रूप में चित्रित करना।

Page :- 23 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q10 अपने घर की छत से पूर्णिमा की रात देखिए तथा उसके सौंदर्य को अपनी कलम से शब्दबद्ध कीजिए।
Answer.
छात्र स्वयं करें।

Page :- 23 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

aglasem.com